



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W8LS31137	ImageGroup:	I8LS31142
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	དབུ་མ་རྣམ་པར་ངེས་པའི་ཚོས་ཀྱི་བང་མཛོད་ལུང་དང་རིགས་པའི་རྒྱ་མཚོ། dbu ma rnam par nges pa'i chos kyi bang mdzod lung dang rigs pa'i rgya mtsho/
Author:	ཤཀྱ་མཚོག་ལྷན་ shAkya mchog ldan
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor Cambridge, MA 02138.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

191

7

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

591

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

31

[illegible][illegible]

... ॥ १ ॥ ... ॥ २ ॥ ... ॥ ३ ॥ ... ॥ ४ ॥ ... ॥ ५ ॥ ... ॥ ६ ॥ ... ॥ ७ ॥ ... ॥ ८ ॥ ... ॥ ९ ॥ ... ॥ १० ॥ ... ॥ ११ ॥ ... ॥ १२ ॥ ... ॥ १३ ॥ ... ॥ १४ ॥ ... ॥ १५ ॥ ... ॥ १६ ॥ ... ॥ १७ ॥ ... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ... ॥ २३ ॥ ... ॥ २४ ॥ ... ॥ २५ ॥ ... ॥ २६ ॥ ... ॥ २७ ॥ ... ॥ २८ ॥ ... ॥ २९ ॥ ... ॥ ३० ॥ ... ॥ ३१ ॥ ... ॥ ३२ ॥ ... ॥ ३३ ॥ ... ॥ ३४ ॥ ... ॥ ३५ ॥ ... ॥ ३६ ॥ ... ॥ ३७ ॥ ... ॥ ३८ ॥ ... ॥ ३९ ॥ ... ॥ ४० ॥ ... ॥ ४१ ॥ ... ॥ ४२ ॥ ... ॥ ४३ ॥ ... ॥ ४४ ॥ ... ॥ ४५ ॥ ... ॥ ४६ ॥ ... ॥ ४७ ॥ ... ॥ ४८ ॥ ... ॥ ४९ ॥ ... ॥ ५० ॥ ... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.]

1528

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with multiple lines of handwritten text in Devanagari script. The text is heavily faded and obscured by dark, irregular ink strokes or damage, making it largely illegible. Some faint words like 'विष्णु' (Vishnu) and 'शिव' (Shiva) are visible through the noise.]

[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मः ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मः ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or damage.]

591

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a single paragraph of handwritten script.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीभक्तिसहितप्रियाङ्गुनाम् । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन् । ॥ १ ॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuous passage of handwritten Indic script.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring.]

[illegible]

201
[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to the quality of the scan. It appears to be a continuous line of handwritten text in an Indic script, possibly Sanskrit or a related language. The characters are difficult to discern, but the structure suggests a single paragraph of text.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and low resolution.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring.]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

23

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

991

७७। ^१। ^२। ^३। ^४। ^५। ^६। ^७। ^८। ^९। ^{१०}। ^{११}। ^{१२}। ^{१३}। ^{१४}। ^{१५}। ^{१६}। ^{१७}। ^{१८}। ^{१९}। ^{२०}। ^{२१}। ^{२२}। ^{२३}। ^{२४}। ^{२५}। ^{२६}। ^{२७}। ^{२८}। ^{२९}। ^{३०}। ^{३१}। ^{३२}। ^{३३}। ^{३४}। ^{३५}। ^{३६}। ^{३७}। ^{३८}। ^{३९}। ^{४०}। ^{४१}। ^{४२}। ^{४३}। ^{४४}। ^{४५}। ^{४६}। ^{४७}। ^{४८}। ^{४९}। ^{५०}। ^{५१}। ^{५२}। ^{५३}। ^{५४}। ^{५५}। ^{५६}। ^{५७}। ^{५८}। ^{५९}। ^{६०}। ^{६१}। ^{६२}। ^{६३}। ^{६४}। ^{६५}। ^{६६}। ^{६७}। ^{६८}। ^{६९}। ^{७०}। ^{७१}। ^{७२}। ^{७३}। ^{७४}। ^{७५}। ^{७६}। ^{७७}। ^{७८}। ^{७९}। ^{८०}। ^{८१}। ^{८२}। ^{८३}। ^{८४}। ^{८५}। ^{८६}। ^{८७}। ^{८८}। ^{८९}। ^{९०}। ^{९१}। ^{९२}। ^{९३}। ^{९४}। ^{९५}। ^{९६}। ^{९७}। ^{९८}। ^{९९}। ^{१००}।

[illegible]



2221

9

। सुद्धपुण्यसयत्ररूपेण येन यदेव पविर्निदृष्टिस्तथा देवक्या पादस्थे सौमिनः ।

॥ अथ पूर्वोक्तं चतुर्विधं यथा ॥ १ ॥ अथ पूर्वोक्तं चतुर्विधं यथा ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1291.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥
॥ ४ ॥
॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥
॥ ११ ॥
॥ १२ ॥
॥ १३ ॥
॥ १४ ॥
॥ १५ ॥
॥ १६ ॥
॥ १७ ॥
॥ १८ ॥
॥ १९ ॥
॥ २० ॥
॥ २१ ॥
॥ २२ ॥
॥ २३ ॥
॥ २४ ॥
॥ २५ ॥
॥ २६ ॥
॥ २७ ॥
॥ २८ ॥
॥ २९ ॥
॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥
॥ ३२ ॥
॥ ३३ ॥
॥ ३४ ॥
॥ ३५ ॥
॥ ३६ ॥
॥ ३७ ॥
॥ ३८ ॥
॥ ३९ ॥
॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥
॥ ४२ ॥
॥ ४३ ॥
॥ ४४ ॥
॥ ४५ ॥
॥ ४६ ॥
॥ ४७ ॥
॥ ४८ ॥
॥ ४९ ॥
॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥
॥ ५२ ॥
॥ ५३ ॥
॥ ५४ ॥
॥ ५५ ॥
॥ ५६ ॥
॥ ५७ ॥
॥ ५८ ॥
॥ ५९ ॥
॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥
॥ ६२ ॥
॥ ६३ ॥
॥ ६४ ॥
॥ ६५ ॥
॥ ६६ ॥
॥ ६७ ॥
॥ ६८ ॥
॥ ६९ ॥
॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥
॥ ७२ ॥
॥ ७३ ॥
॥ ७४ ॥
॥ ७५ ॥
॥ ७६ ॥
॥ ७७ ॥
॥ ७८ ॥
॥ ७९ ॥
॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥
॥ ८२ ॥
॥ ८३ ॥
॥ ८४ ॥
॥ ८५ ॥
॥ ८६ ॥
॥ ८७ ॥
॥ ८८ ॥
॥ ८९ ॥
॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥
॥ ९२ ॥
॥ ९३ ॥
॥ ९४ ॥
॥ ९५ ॥
॥ ९६ ॥
॥ ९७ ॥
॥ ९८ ॥
॥ ९९ ॥
॥ १०० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महर्षि ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ... ॥ २३ ॥ ... ॥ २४ ॥ ... ॥ २५ ॥ ... ॥ २६ ॥ ... ॥ २७ ॥ ... ॥ २८ ॥ ... ॥ २९ ॥ ... ॥ ३० ॥ ... ॥ ३१ ॥ ... ॥ ३२ ॥ ... ॥ ३३ ॥ ... ॥ ३४ ॥ ... ॥ ३५ ॥ ... ॥ ३६ ॥ ... ॥ ३७ ॥ ... ॥ ३८ ॥ ... ॥ ३९ ॥ ... ॥ ४० ॥ ... ॥ ४१ ॥ ... ॥ ४२ ॥ ... ॥ ४३ ॥ ... ॥ ४४ ॥ ... ॥ ४५ ॥ ... ॥ ४६ ॥ ... ॥ ४७ ॥ ... ॥ ४८ ॥ ... ॥ ४९ ॥ ... ॥ ५० ॥ ... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७७१

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

331

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

३८१

[illegible]

[illegible]

॥ वृणयते कर्मसु कर्मफलं प्रदर्शयते ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

३०१। ३०२। ३०३। ३०४। ३०५। ३०६। ३०७। ३०८। ३०९। ३१०। ३११। ३१२। ३१३। ३१४। ३१५। ३१६। ३१७। ३१८। ३१९। ३२०। ३२१। ३२२। ३२३। ३२४। ३२५। ३२६। ३२७। ३२८। ३२९। ३३०। ३३१। ३३२। ३३३। ३३४। ३३५। ३३६। ३३७। ३३८। ३३९। ३४०। ३४१। ३४२। ३४३। ३४४। ३४५। ३४६। ३४७। ३४८। ३४९। ३५०। ३५१। ३५२। ३५३। ३५४। ३५५। ३५६। ३५७। ३५८। ३५९। ३६०। ३६१। ३६२। ३६३। ३६४। ३६५। ३६६। ३६७। ३६८। ३६९। ३७०। ३७१। ३७२। ३७३। ३७४। ३७५। ३७६। ३७७। ३७८। ३७९। ३८०। ३८१। ३८२। ३८३। ३८४। ३८५। ३८६। ३८७। ३८८। ३८९। ३९०। ३९१। ३९२। ३९३। ३९४। ३९५। ३९६। ३९७। ३९८। ३९९। ४००।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
 द्रष्टव्यं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सैन्यानि ॥
 कौरवस्य च तत्र राजा । संजय उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 पश्यन् महाबाहो नतस्तुभ्यः पाण्डवस्य चास्त्रम् ॥
 शूरा महेष्वाहाय नमस्कृत्य विमलयात्रया ॥
 याम्युत्तमांशुना हतं पाण्डुपुत्रं प्रभाकरम् ॥
 धूमकेतुर्विराटश्च द्रुपदश्चैव महारथः ॥
 भीमार्जुनसङ्घश्च विक्रान्तधनुषधराः ॥
 युधिष्ठिरदर्शनं प्राप्त्वा पाण्डुपुत्रमुदाहरेत् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

591

[illegible]

1001
[Text in Indic script, likely a manuscript page with a header '1001' and a large block of text in a single line.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

291

 $\frac{2}{2}$ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a single paragraph of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

211

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ दत्त देव पवित्राक्षरं दत्त देव पवित्रं दत्त देव पवित्रं दत्त देव पवित्रं दत्त देव पवित्रं दत्त देव पवित्रं दत्त देव पवित्रं ॥

[illegible]

[illegible]

۷۵۱

[illegible]

[illegible]

۱۹۹۱

५५७। ^०। ^१। ^२। ^३। ^४। ^५। ^६। ^७। ^८। ^९। ^{१०}। ^{११}। ^{१२}। ^{१३}। ^{१४}। ^{१५}। ^{१६}। ^{१७}। ^{१८}। ^{१९}। ^{२०}। ^{२१}। ^{२२}। ^{२३}। ^{२४}। ^{२५}। ^{२६}। ^{२७}। ^{२८}। ^{२९}। ^{३०}। ^{३१}। ^{३२}। ^{३३}। ^{३४}। ^{३५}। ^{३६}। ^{३७}। ^{३८}। ^{३९}। ^{४०}। ^{४१}। ^{४२}। ^{४३}। ^{४४}। ^{४५}। ^{४६}। ^{४७}। ^{४८}। ^{४९}। ^{५०}। ^{५१}। ^{५२}। ^{५३}। ^{५४}। ^{५५}। ^{५६}। ^{५७}। ^{५८}। ^{५९}। ^{६०}। ^{६१}। ^{६२}। ^{६३}। ^{६४}। ^{६५}। ^{६६}। ^{६७}। ^{६८}। ^{६९}। ^{७०}। ^{७१}। ^{७२}। ^{७३}। ^{७४}। ^{७५}। ^{७६}। ^{७७}। ^{७८}। ^{७९}। ^{८०}। ^{८१}। ^{८२}। ^{८३}। ^{८४}। ^{८५}। ^{८६}। ^{८७}। ^{८८}। ^{८९}। ^{९०}। ^{९१}। ^{९२}। ^{९३}। ^{९४}। ^{९५}। ^{९६}। ^{९७}। ^{९८}। ^{९९}। ^{१००}।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सार्वभौमस्य तमेव च ।

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a continuous passage from a manuscript.]

[illegible]

[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to contain multiple lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

11
[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuous line of handwritten text in an Indic script, possibly Sanskrit or a related language. The script is cursive and densely packed. Some characters are more discernible than others, but the overall meaning cannot be accurately transcribed.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

... ॥ १० ॥ ... ॥ ११ ॥ ... ॥ १२ ॥ ... ॥ १३ ॥ ... ॥ १४ ॥ ... ॥ १५ ॥ ... ॥ १६ ॥ ... ॥ १७ ॥ ... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ... ॥ २३ ॥ ... ॥ २४ ॥ ... ॥ २५ ॥ ... ॥ २६ ॥ ... ॥ २७ ॥ ... ॥ २८ ॥ ... ॥ २९ ॥ ... ॥ ३० ॥ ... ॥ ३१ ॥ ... ॥ ३२ ॥ ... ॥ ३३ ॥ ... ॥ ३४ ॥ ... ॥ ३५ ॥ ... ॥ ३६ ॥ ... ॥ ३७ ॥ ... ॥ ३८ ॥ ... ॥ ३९ ॥ ... ॥ ४० ॥ ... ॥ ४१ ॥ ... ॥ ४२ ॥ ... ॥ ४३ ॥ ... ॥ ४४ ॥ ... ॥ ४५ ॥ ... ॥ ४६ ॥ ... ॥ ४७ ॥ ... ॥ ४८ ॥ ... ॥ ४९ ॥ ... ॥ ५० ॥ ... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]

۱۹۹۱

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५५।
५६।
५७।
५८।
५९।
६०।
६१।
६२।
६३।
६४।
६५।
६६।
६७।
६८।
६९।
७०।
७१।
७२।
७३।
७४।
७५।
७६।
७७।
७८।
७९।
८०।
८१।
८२।
८३।
८४।
८५।
८६।
८७।
८८।
८९।
९०।
९१।
९२।
९३।
९४।
९५।
९६।
९७।
९८।
९९।
१००।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side of the page. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

25

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1221

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्याये षष्ठः सर्गः ।
 १ । द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः परः ।
 २ । कर्मेन्द्र उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः परः ।
 ३ । भीमार्जुनसंवादे । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः परः ।
 ४ । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः परः ।
 ५ । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः परः ।
 ६ । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः परः ।
 ७ । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः परः ।
 ८ । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः परः ।
 ९ । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः परः ।
 १० । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः परः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

1991

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and mostly illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

291

[illegible]

७) यद्वयं त्रैलोक्यं

। इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः ॥ १८ ॥

॥ कुंभारुद्रिनेत्रस्य चामरमुखाय नमः ॥ वस्तुवस्तुवस्तु । दत्तवस्तुवस्तु । त्रिशूलवस्तुवस्तु । अक्षयवस्तुवस्तु । सुखवस्तुवस्तु । शान्तिवस्तुवस्तु । धनवस्तुवस्तु । पुत्रवस्तुवस्तु । भूमिवस्तुवस्तु । विजयवस्तुवस्तु । श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ५८ ॥ अथ शिवस्य चतुर्विधं रूपं । तत्रैकं रूपं भूयः । त्रैलोक्यं पश्यन् विद्वान्मनुजः । तदा शिवं दृष्ट्वा मुनिर्ब्रह्मात्मनोऽपराधिनः । तदा शिवं दृष्ट्वा मुनिर्ब्रह्मात्मनोऽपराधिनः । तदा शिवं दृष्ट्वा मुनिर्ब्रह्मात्मनोऽपराधिनः ।

[illegible][illegible]

॥ २८ ॥ अथ चत्वारिंशदध्यायः । तत्र प्रथमोऽध्यायः । इति चत्वारिंशदध्यायः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurriness and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

155

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

१
 २
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]

161

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous Sanskrit or Pali script.]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

... ११ ॥ ...
... १२ ॥ ...
... १३ ॥ ...
... १४ ॥ ...
... १५ ॥ ...
... १६ ॥ ...
... १७ ॥ ...
... १८ ॥ ...
... १९ ॥ ...
... २० ॥ ...
... २१ ॥ ...
... २२ ॥ ...
... २३ ॥ ...
... २४ ॥ ...
... २५ ॥ ...
... २६ ॥ ...
... २७ ॥ ...
... २८ ॥ ...
... २९ ॥ ...
... ३० ॥ ...
... ३१ ॥ ...
... ३२ ॥ ...
... ३३ ॥ ...
... ३४ ॥ ...
... ३५ ॥ ...
... ३६ ॥ ...
... ३७ ॥ ...
... ३८ ॥ ...
... ३९ ॥ ...
... ४० ॥ ...
... ४१ ॥ ...
... ४२ ॥ ...
... ४३ ॥ ...
... ४४ ॥ ...
... ४५ ॥ ...
... ४६ ॥ ...
... ४७ ॥ ...
... ४८ ॥ ...
... ४९ ॥ ...
... ५० ॥ ...
... ५१ ॥ ...
... ५२ ॥ ...
... ५३ ॥ ...
... ५४ ॥ ...
... ५५ ॥ ...
... ५६ ॥ ...
... ५७ ॥ ...
... ५८ ॥ ...
... ५९ ॥ ...
... ६० ॥ ...
... ६१ ॥ ...
... ६२ ॥ ...
... ६३ ॥ ...
... ६४ ॥ ...
... ६५ ॥ ...
... ६६ ॥ ...
... ६७ ॥ ...
... ६८ ॥ ...
... ६९ ॥ ...
... ७० ॥ ...
... ७१ ॥ ...
... ७२ ॥ ...
... ७३ ॥ ...
... ७४ ॥ ...
... ७५ ॥ ...
... ७६ ॥ ...
... ७७ ॥ ...
... ७८ ॥ ...
... ७९ ॥ ...
... ८० ॥ ...
... ८१ ॥ ...
... ८२ ॥ ...
... ८३ ॥ ...
... ८४ ॥ ...
... ८५ ॥ ...
... ८६ ॥ ...
... ८७ ॥ ...
... ८८ ॥ ...
... ८९ ॥ ...
... ९० ॥ ...
... ९१ ॥ ...
... ९२ ॥ ...
... ९३ ॥ ...
... ९४ ॥ ...
... ९५ ॥ ...
... ९६ ॥ ...
... ९७ ॥ ...
... ९८ ॥ ...
... ९९ ॥ ...
... १०० ॥ ...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

121

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring. It appears to consist of several lines of handwritten script.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a single line across the page, written in a cursive script. The text is densely packed and spans most of the width of the page.

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous Sanskrit inscription.]

[illegible]

[illegible]

འཇམ་མེད་འཕྲུལ་པ་ རི

[illegible]

। ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५३॥ अथ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

123456789101112131415161718192021222324252627282930313233343536373839404142434445464748495051525354555657585960616263646566676869707172737475767778798081828384858687888990919293949596979899100

—

—

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

संस्कृत-विद्यापीठ-मुद्रा

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense paragraph of handwritten script.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

2291

2)

[illegible]

[illegible]

12

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे
 युद्धम् । ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ तदा द्रुपद उवाच ॥ ॥ २ ॥
 सौम्यं हृदि ध्यायेन्महाबाहू ॥ शत्रूणां हर्षाद्यनुशङ्कया ॥ ३ ॥
 योऽस्माकं पश्यति सर्वपापविनाशिनम् ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

251

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuation of handwritten script from the previous page.]

[illegible]

1291

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]